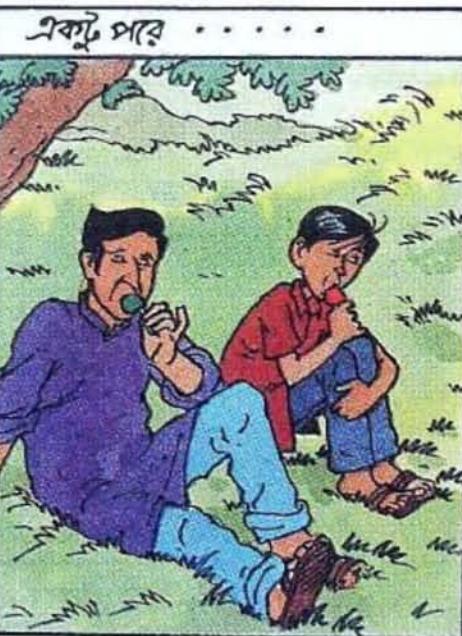
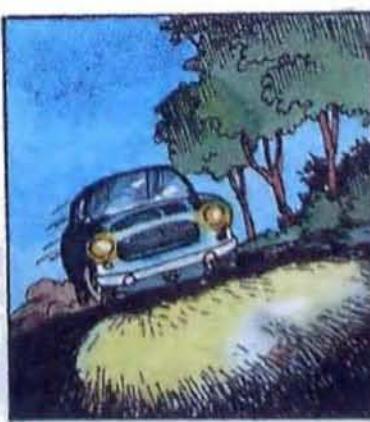
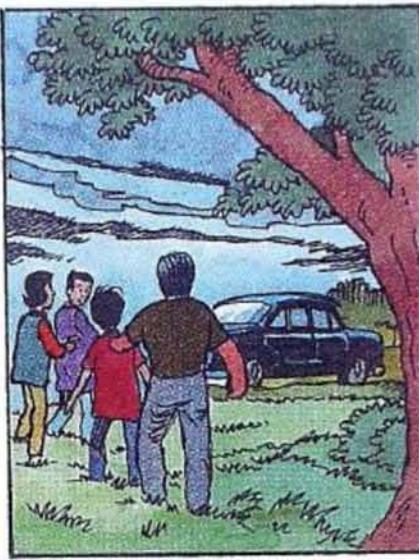
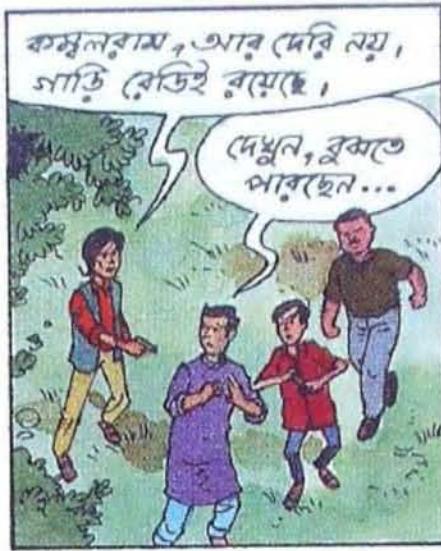
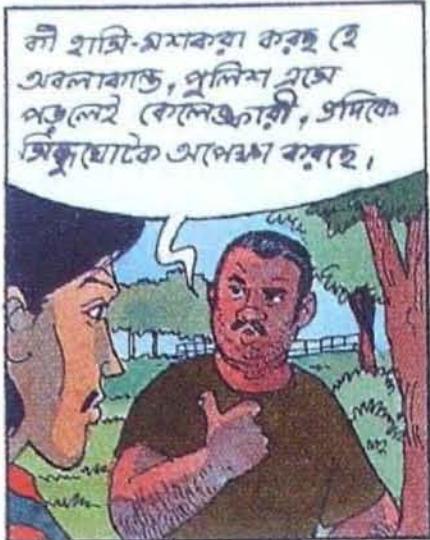


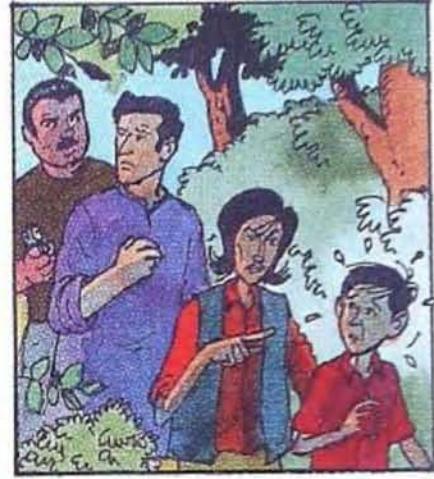
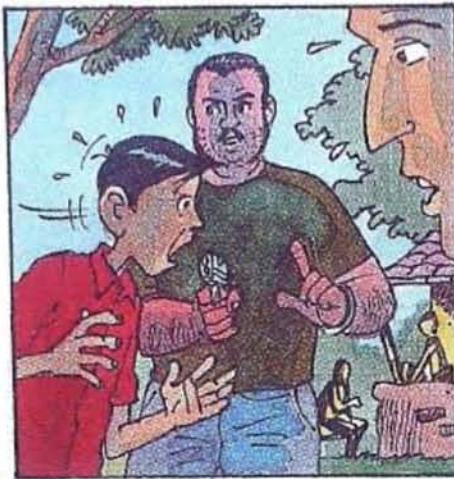
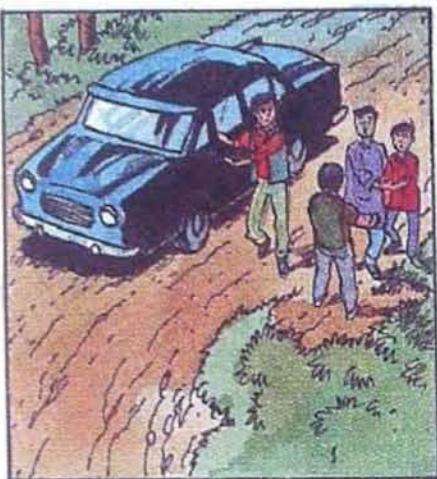
# টেনিদা আর সিঞ্চুঘোটক

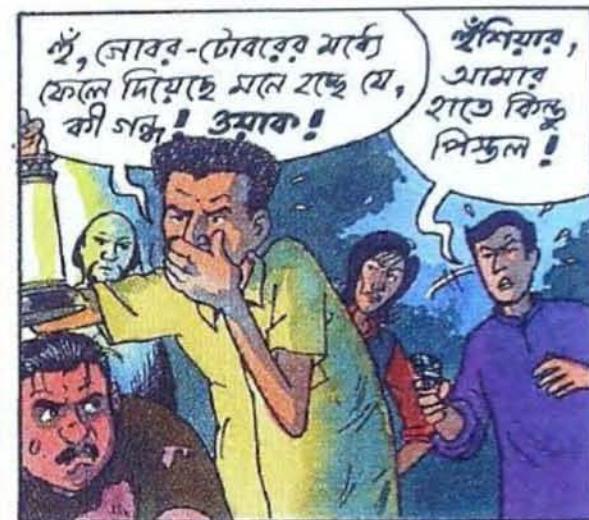
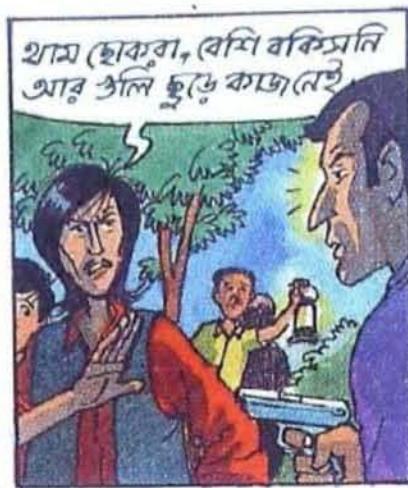


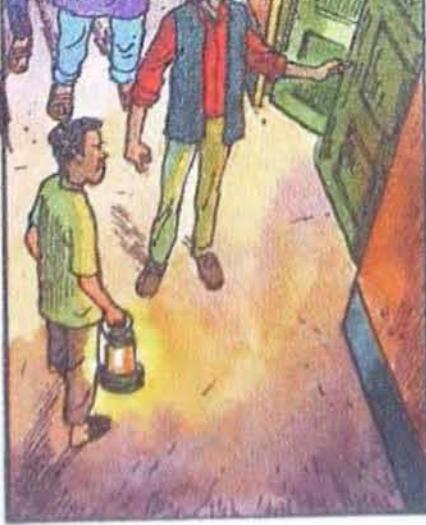
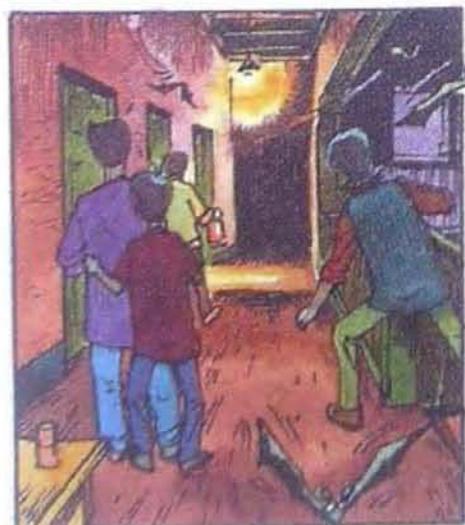
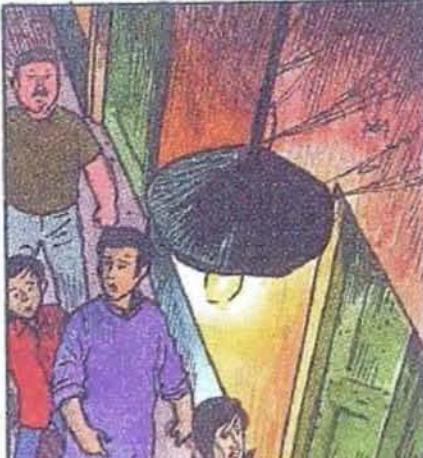
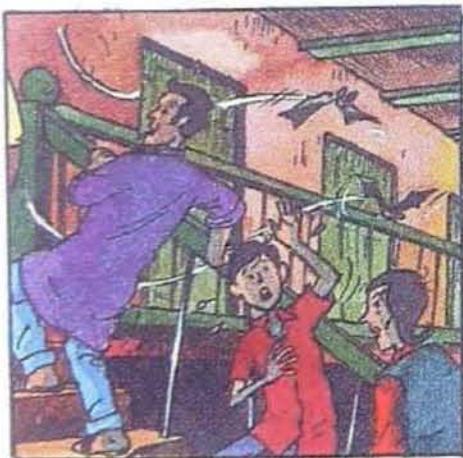
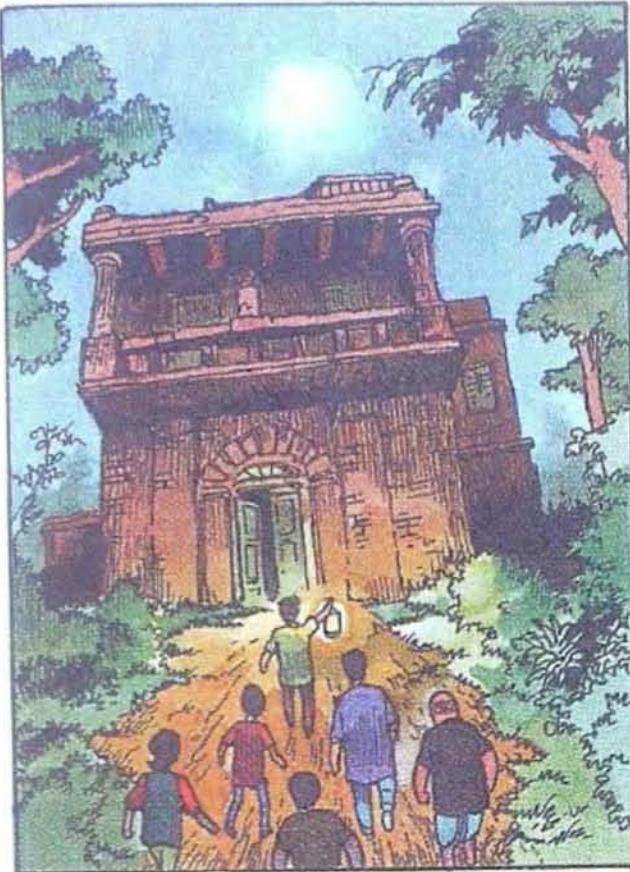




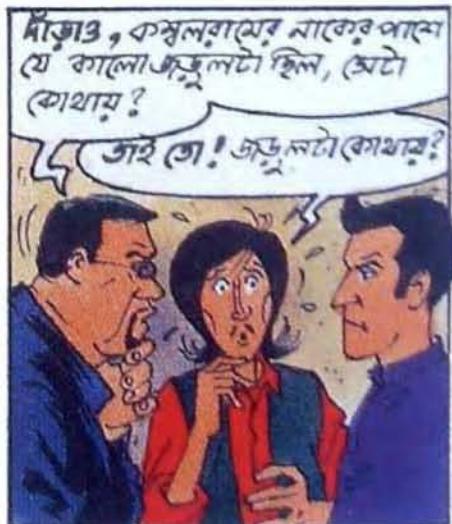
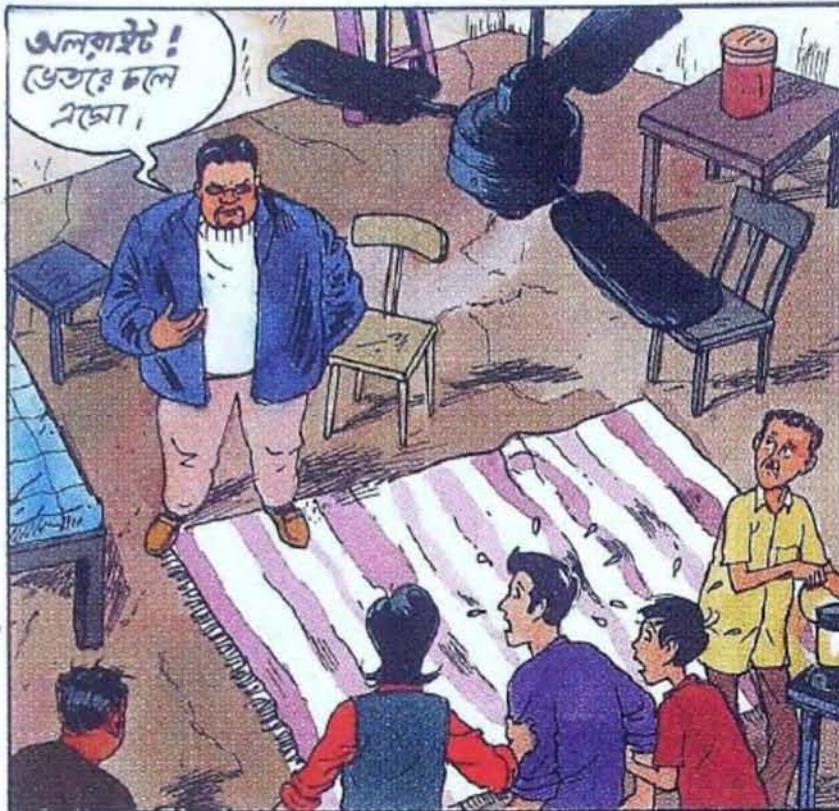


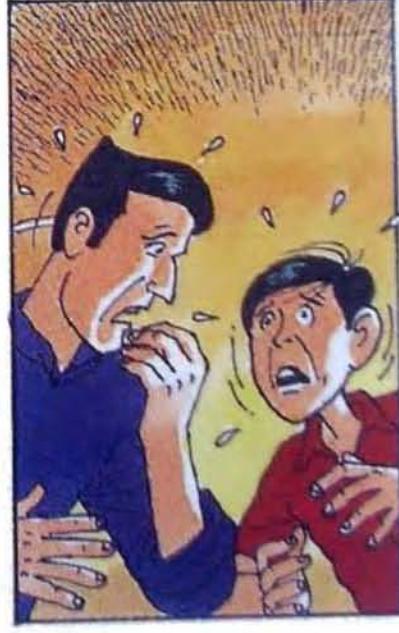
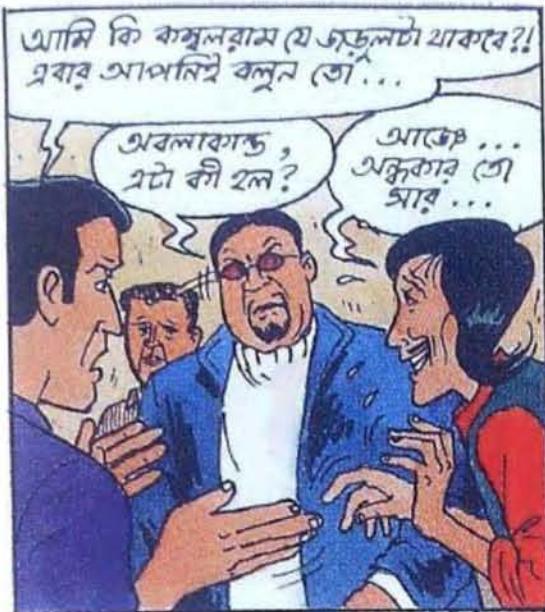






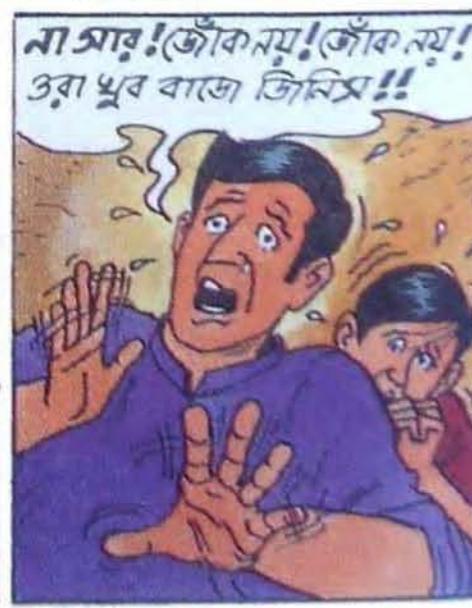
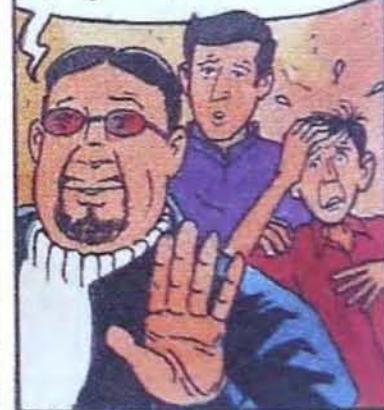
.... যামড়া অবাই, যানে  
বস্তুলঢামসুক্তি চলে এয়েছে!

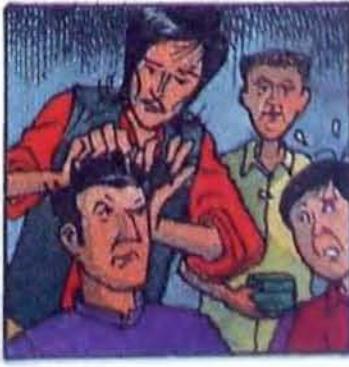
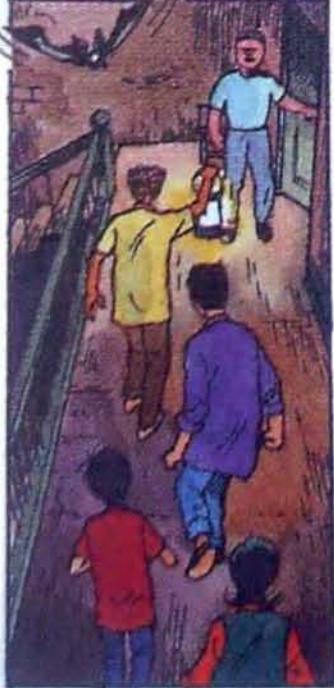




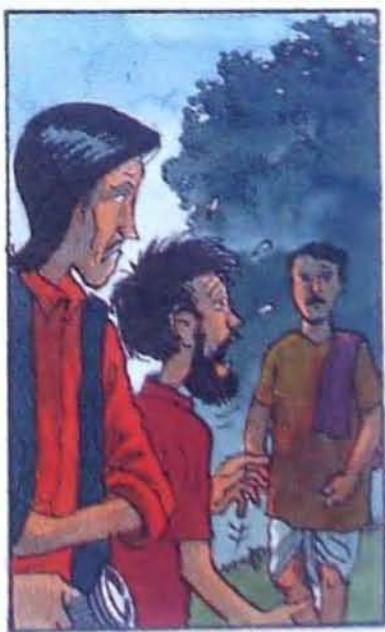
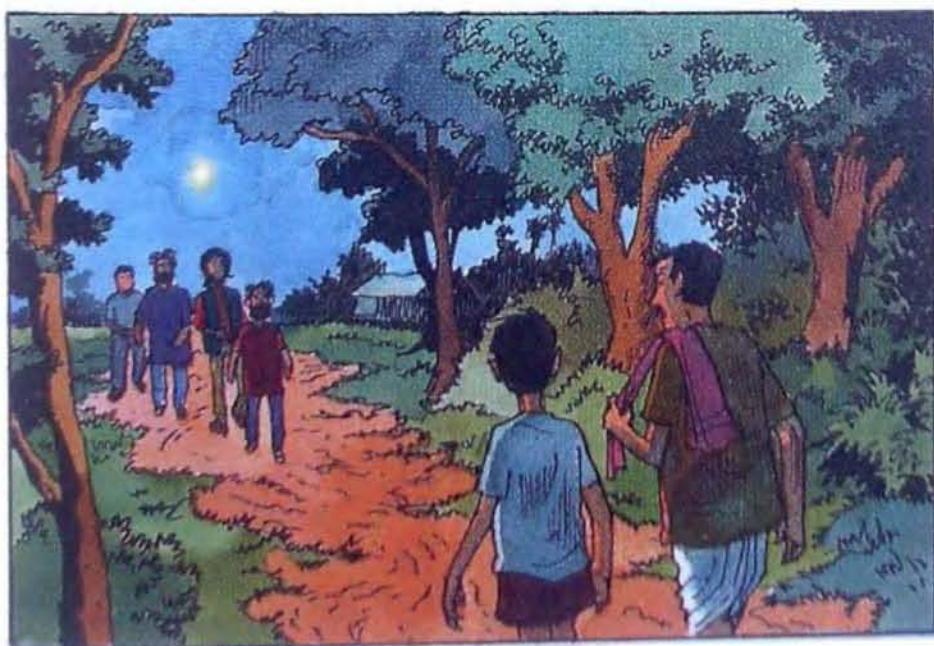
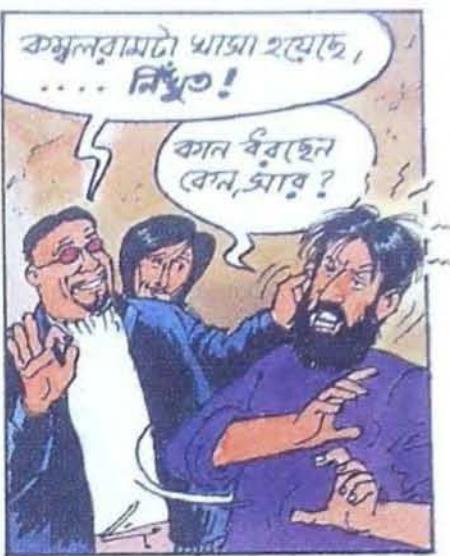
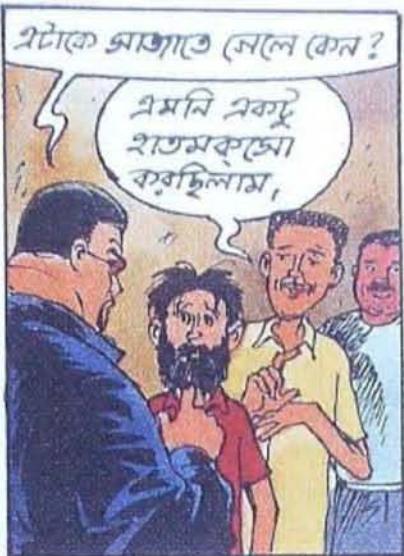
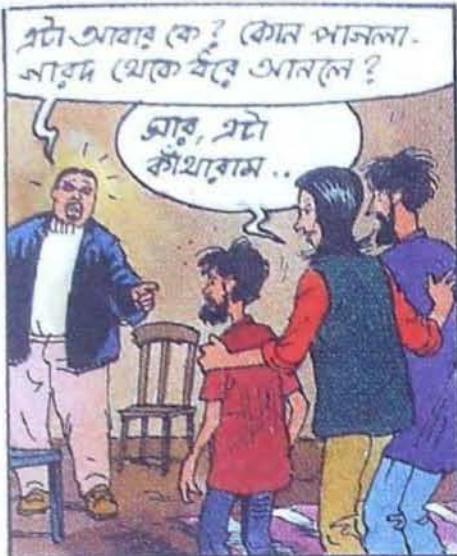


... उमव वाजे कथायाका,  
आमादेव दिये आज गाते  
एकटो महूडेदशा मिळ  
करुते चारे, यादि प्रफल  
इ, आमादेव धुमि वरव.  
विअंगड देव,

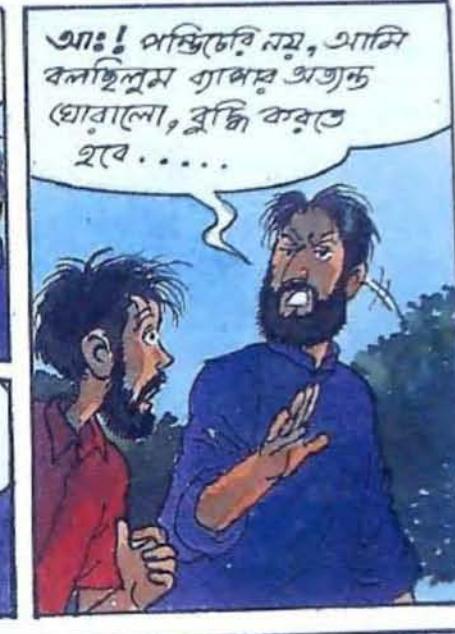
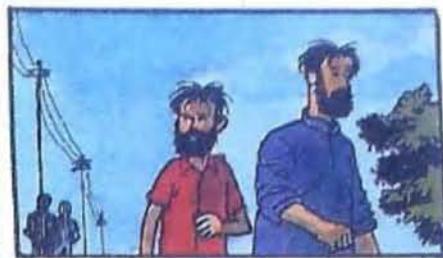
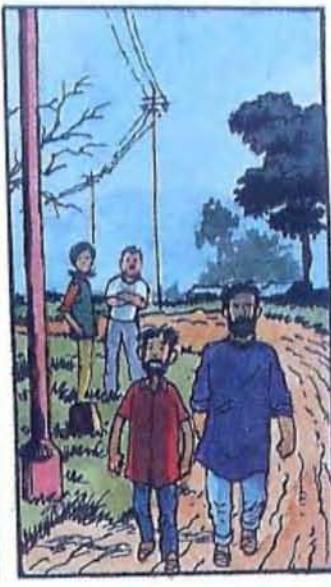


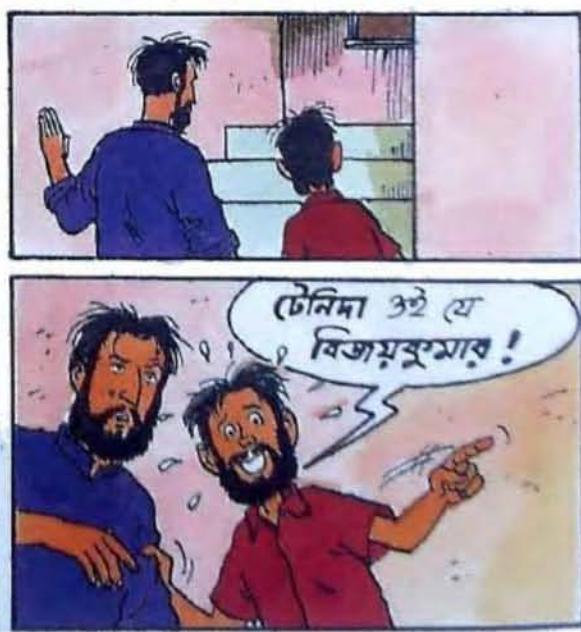
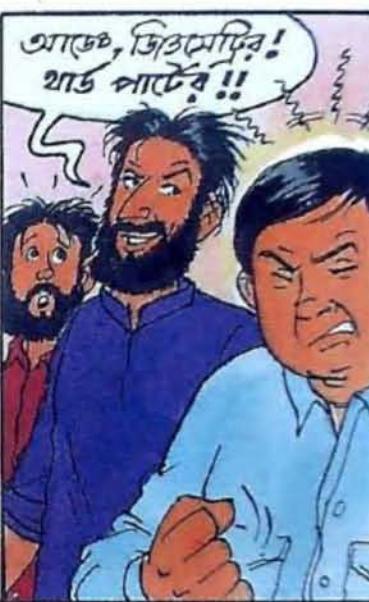
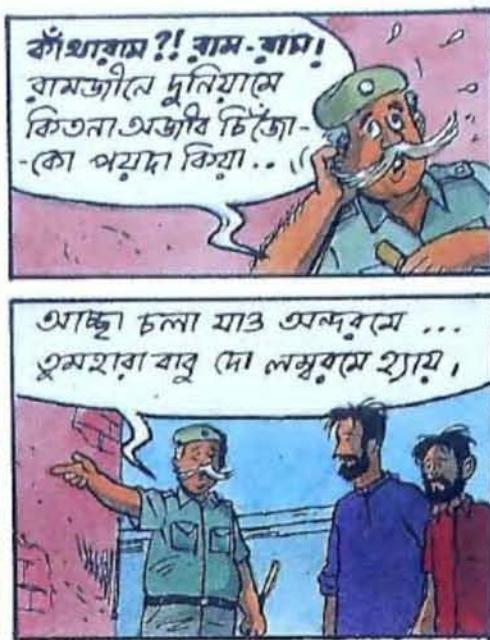


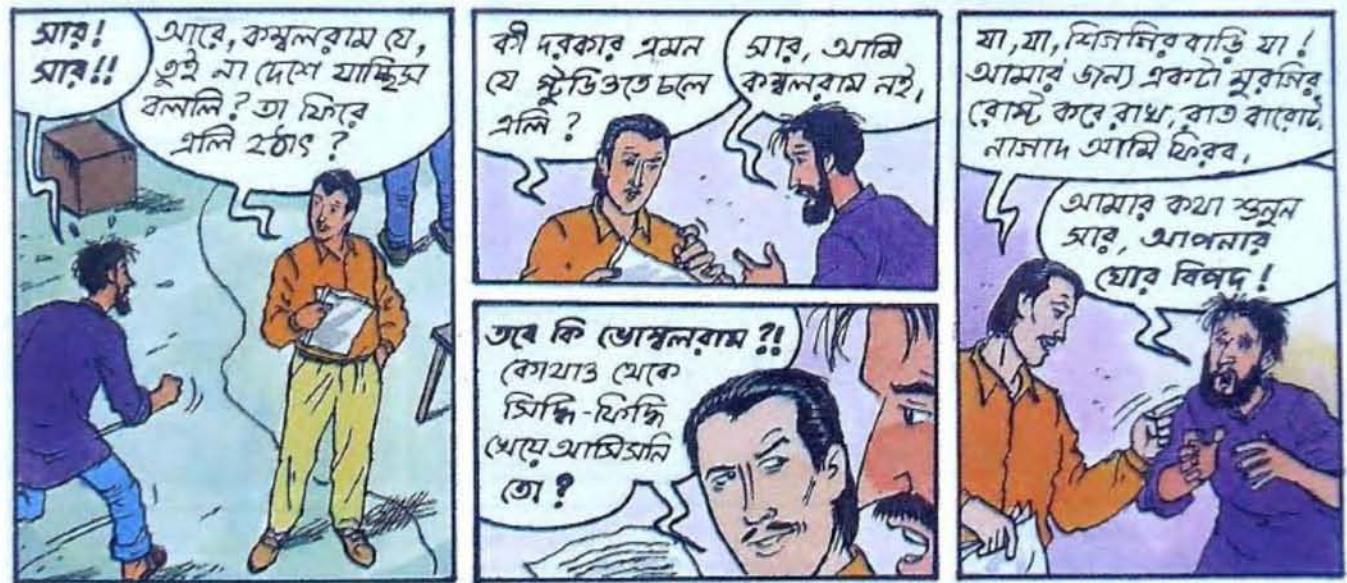
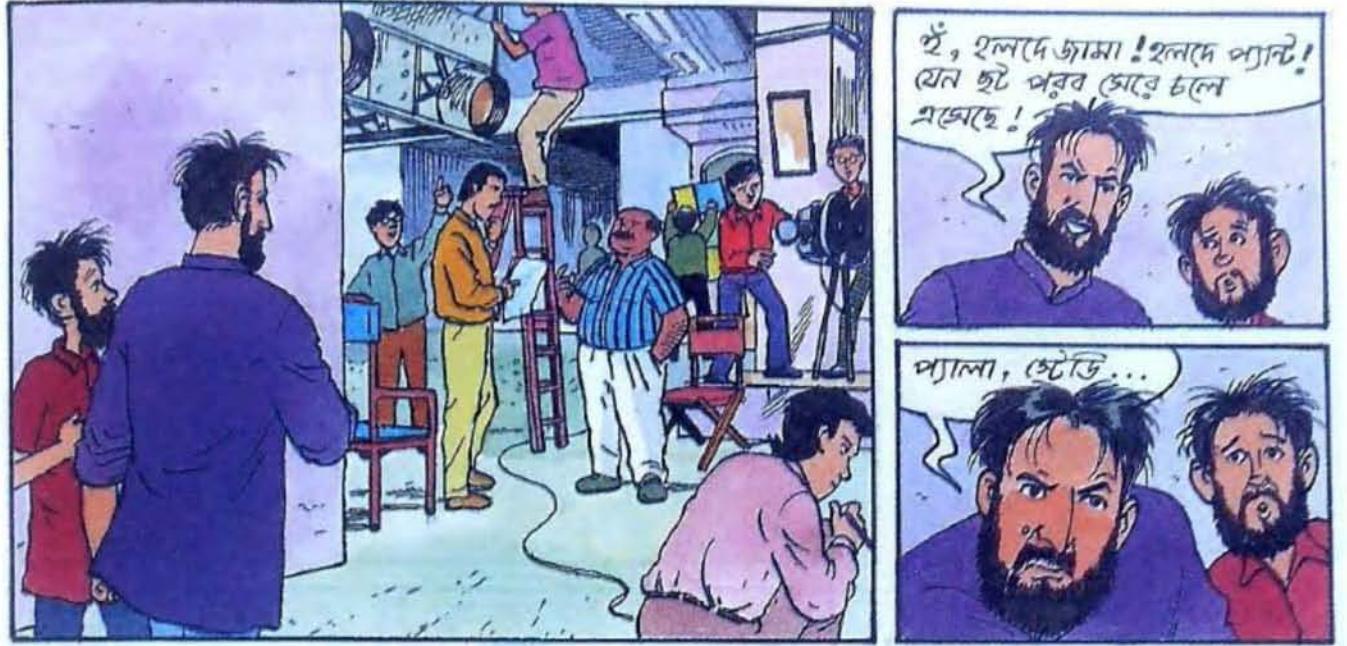


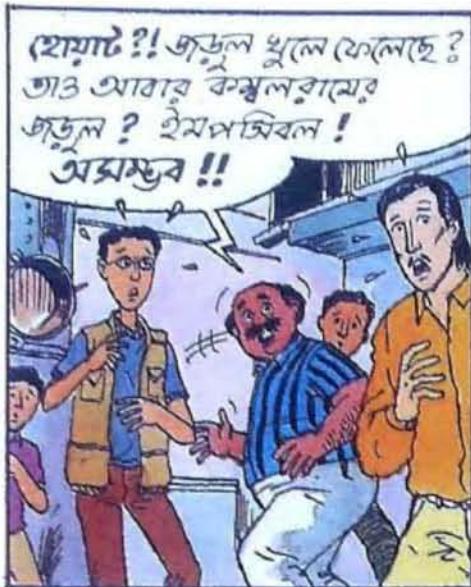


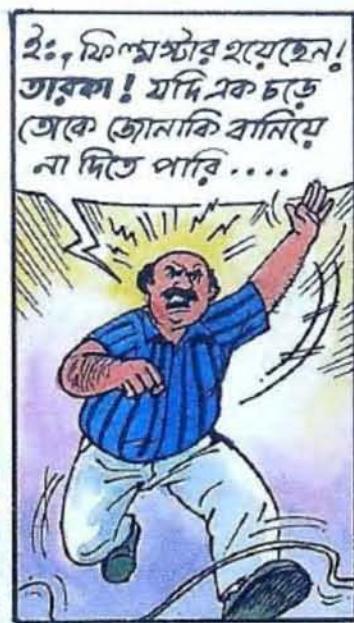
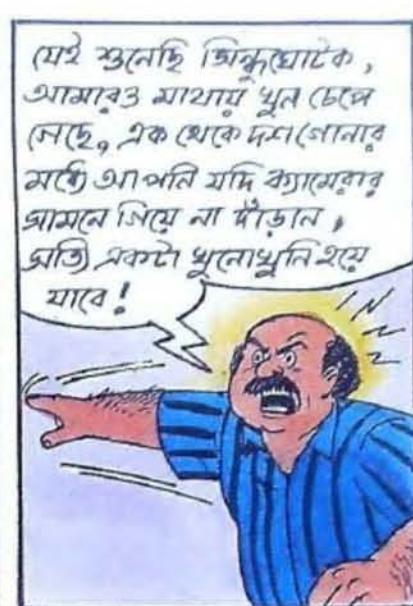


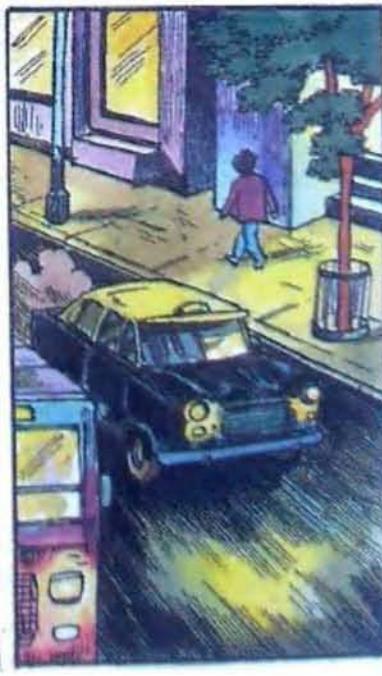
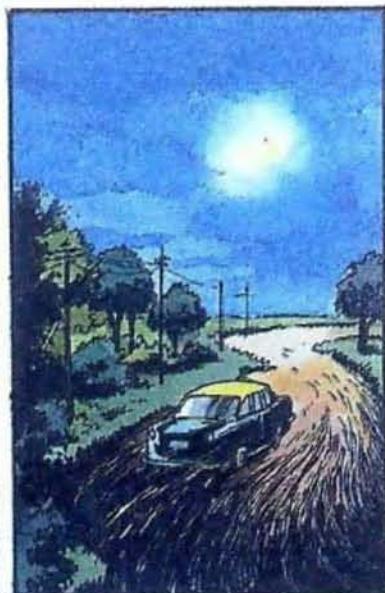


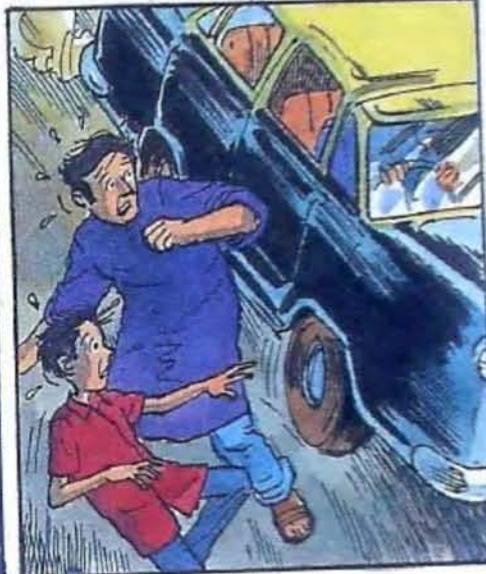
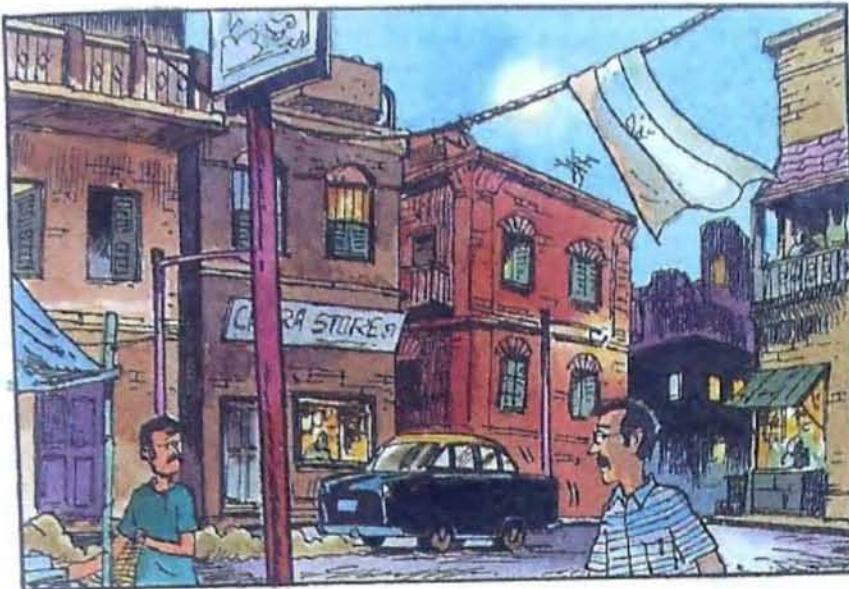






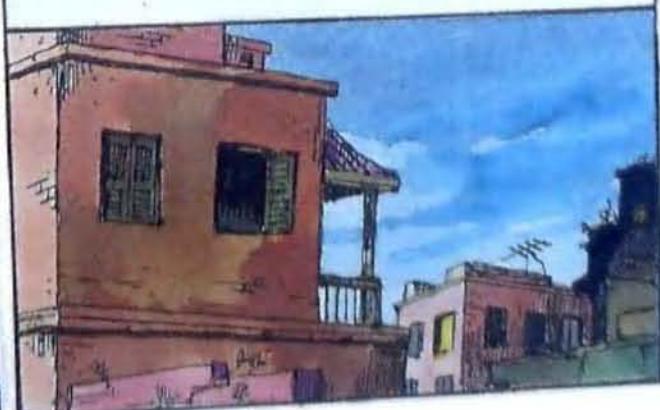
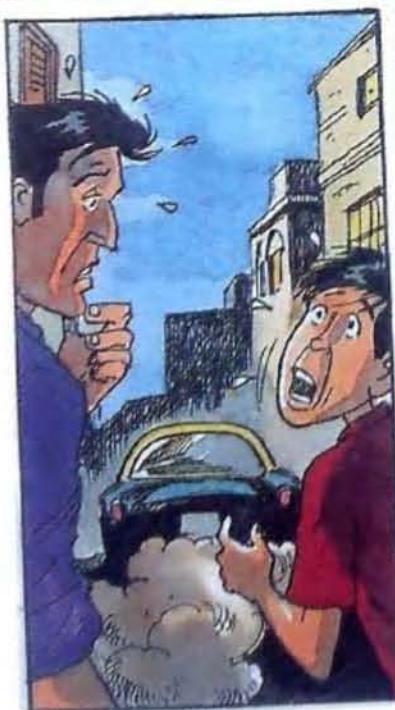






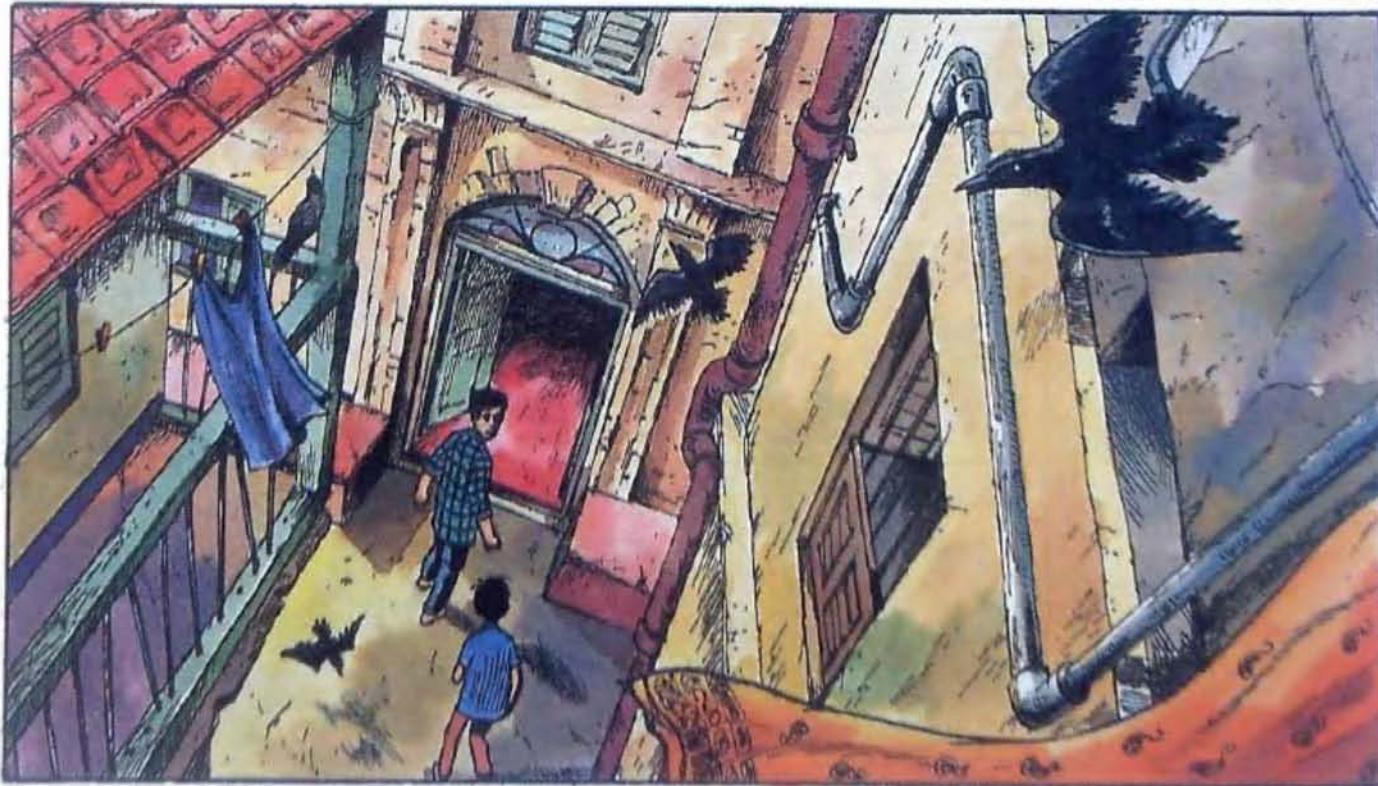
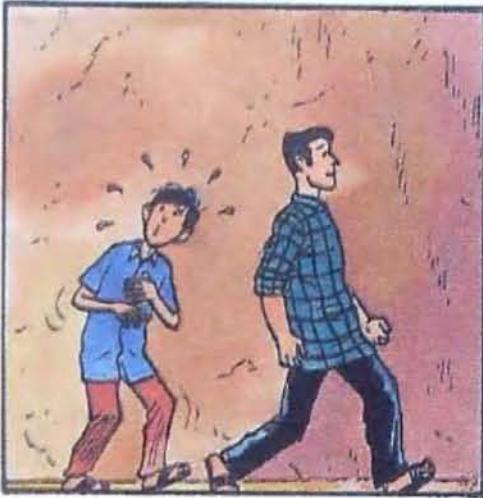
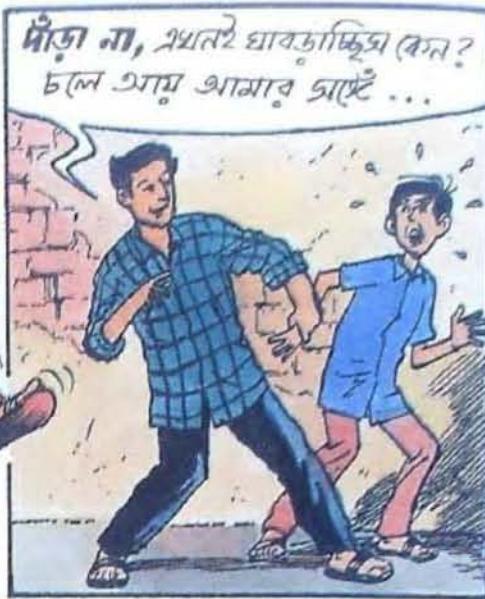
अनेमा देखते जियेचिलुम, माने हेश  
उकडेश्यपूर्ण दंडिकी आनेमा, एवेसव  
बाल-टले गाड्हि लिट्टेनिरु थात (थके रहाई  
पाऊनेल, किंकु मोटो बालाबटोई) इंगालि  
रह्ये थेकेनेल, येहे बांधिरु उत्तर धुँत्तो-  
धुँत्तो दुषेष घुमे गाड्हिये एल .....

प्रश्नित मकाल..











किन्तु विजयबुम्हार बलवद्दलेन  
ये ज्ञानन माईत्रि "पथ पथ  
विषाद" हरिव काका शेष ता  
काहे कोरड अनु चिनेमा  
करून ना,



ये ज्ञानन माईत्रि ग्रहे  
आवाह आवाह याव शपुत्रा,  
ताई आमि ठिक कुलाम  
ज्ञाननेव उटिं पन्हु वारे  
देव ....



..किन्तु ज्ञानन असुक्त घृष्णुलोक  
ये ग्रह उटिं-१ वाईरु  
लोक ठाका वक्तव्याविषयम  
वारेमिल, फैले आमाके  
आवत्र वरात्रेल ...



ये देखलाम एकमात्र कम्पलवाम  
अर्थात् विजयबुम्हार  
लोकाई भेद्याने  
विना वारीपूळते  
येते वारूत,



अमूर्त्त आव अनु विक्षु  
आवाह उपाय हिलता, कारूत  
आव घनोधांलकेव मर्गिरे  
ज्ञानन माईत्रि हरिव प्रथम  
उटिं अूळ रघु येत, आव जेते  
शेल आमाह वृक्ति रघु येत...



..यात्र तामादेव वारु  
रघुए वुरशाव करूत  
रघुहिल ...



आव आभनावरे  
वा मिन्हुधाटेक  
जाज्यावर री  
दृग्मव हिल?



दृग्मव हिल ....  
आशले अनुक चिन्हा  
-आवला काहे एवढो  
वाटेक, किन्तु नाम  
तामादेव देखानो  
मोतानो रघुते ...



...विजयबुम्हार छलवेलाय रस्त्रि नितन, इकादिन  
हिल एव अनु वेदम माहू खेम्हिलत, येते थेके  
रस्त्रि नाम खुनलाई जीनि खेल यात ....





